मौसम ने बढ़ाई धावकों की परेशानी

17 को किया अस्पताल में भर्ती, 2500 को मिला प्राथमिक उपचार

टीम एनबीटीए मुंबई: रविवार को मुंबई मैराथन के 14 वें संस्करण के दौरान धावकों ने जमकर दौड़ लगाई। गुलाबी ठंडक और खुशनुमा मौसम का साथ धावकों को मिला। जिससे दौड़ते वक्त शरीर में होने वाली दिक्कतें कम देखने को मिली, हालांकि 11 धावकों को गंभीर डिहाइड्रेशन की शिकायत होने पर पास के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती किया गया। वहीं 2 हजार से अधिक मैराथन में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्राथमिक उपचार देकर मेडिकल कैंप से छुट्टी दे दी गई।

40 हजार से अधिक धावकों में से तकरीबन 2.5 हजार रनर्स को जख्मी होने के बाद मेडिकल उपचार दिया गया। अधिकतर मामलों में धावकों को डिहाइड्रेशन, पैरों में खिंचाव, और मसल्स में दर्द होने की शिकायत रही। मैराथन के दौरान घायल होने वाली प्रतिभागियों के लिए सीएसटी पर एशियन हार्ट इंस्टिट्यूट द्वारा 2 मेडिकल कैंप तैयार किए गए थे। हॉस्पिटल के मेडिकल डायरेक्टर डॉ.विजय डीसिल्वा ने बताया कि कैंप में आने वाले और अस्पताल भेजे गए अधिकतर लोगों को डिहाइड्रेशन, लॉ शुगर और हाई बीपी की परेशानी रही। जबकि कुछ धावकों को पेट दर्द, उल्टी और मोच जैसी दिक्कतें आईं, जिन्हें प्राथमिक उपचार देने के बाद छोड़ दिया गया।

डॉ.विजय डीसिल्वा ने बताया कि खुशनुमा मौसम और तापमान में नमी का फायदा धावकों को जम करा मिला। रेस समय पर शुरू होने व मौसम रनर्स के अनुकूल होने के चलते अधिक प्रतिभागियों को स्वास्थ्य संबंधी समस्या नहीं हुई। भर्ती लोगों में ज्यादातर मामले गंभीर डिहाइड्रेशन के हैं। ऐसे में उनके खून की जांच करने के लिए पास के निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। हॉस्पिटल में भर्ती सभी 11 लोगों को रविवार देर शाम तक छुट्टी मिल जाएगी।

हॉस्पिटल से मिले : बता दें कि एशियन हार्ट हॉस्पिटल द्वारा 60 बेड्स के दो मेडिकल बेस कैंप लगाए गए थे। धावकों की देखरेख और उपचार के लिए चिकित्सक और नर्सेस सहित 400 लोगों की मेडिकल टीम बनाई गई थी। इसके अलावा 12 एम्बुलेन्स और 7 मोबाइल मेडिक्स की भी व्यवस्था हॉस्पिटल द्वारा किया गया था।

मैराथन के दौरान डीसीपी को आया अटैक

रविवार को मैराथन के दौरान औरंगाबाद के डेप्युटी कमिश्नर निसार तंबोली (47) को अटैक की शिकायत होने पर हॉस्पिटल में भर्ती किया गया। मिली जानकारी के अनुसार तंबोली दौड़ रहे थे कि अचानक से वे गिर गए। उन्हें जसलोक हॉस्पिटल के आईसीयू में रखा गया है।